IITINDORE Socital contribution:

Title	Description	File	
IITINDORE Students design dustbins out of Scrap chemical drums	Waste disposal – Adopting villages for Swachh Bharat	Daink Bhaskar 11/07/2017	city भास्कर INDORE TUESDAY, 11/07/2017 उन्नत भारत अभियान के तहत गोद लिए चार गावों में एजुकेशन, सेनिटेशन और एनर्जी के लिए काम कर रहे स्टूडेंट्स वेस्ट केमिकल ड्रम्स से IIT स्टूडेंट्स ने बनाए डस्टबिन, संस्थान के गोद लिए चार गांव के हर घर में रखे जाएंगे किसानों को मिलेगी कचरे से तैयार की गई खाद फर्स्ट एड बॉक्स और बायोटॉयलेट भी बना रहे सिमरोल के स्कूल में बनाई कम्प्यूटर लैब व लाइब्रेरी
Compost out of Waste	SWAAHA: IITINDORE Student Start Up	Daink Bhaskar 17.08.2017	

			Dainik Bhaskar, 17.08.2017, Page No. 19 **कचरे से खाद बनाएंगे IIT स्टूडेंट्स, किसानों को बांटेंगे मुफ्त में** **आईआईटी के सोशल वेलफेयर क्लब ने केमिकल बैरल्स को डस्टबिन में किया तब्दील, गांववालों व स्कूलों को करवाएंगे उपलब्ध** सिटी रिपोर्टर | इंदौर इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी इंदौर, आस-पास के चार गांवों के घरों से निकलने वाला कचरा अब खाद के रूप में वहीं के किसानों को मिलेगा। मुफ्त में मिलने वाली इस खाद के लिए उन्हें बस घर का कचरा अलग-अलग डस्टबिन में इकट्ठा करना होगा। इसके लिए डस्टबिन भी आईआईटी ही उपलब्ध करवा रहा है जिसे स्टूडेंट्स ने संस्थान से निकलने वाले टीन के खाली केमिकल बैरल्स से तैयार किया है। 15 अगस्त पर स्वतंत्रता दिवस के कार्यक्रम के दौरान ही आईआईटी डायरेक्टर ने इस स्वच्छता कैंपेन की शुरुआत की। आईआईटी के सोशल वेलफेयर क्लब अवाना ने ये स्वच्छता कैम्पेन, उन्नत भारत अभियान के तहत शुरू किया है। **सफाई और सेहत का पाठ** आईआईटी स्टूडेंट्स नयागांव, इंदिरा आवास, जगजीवन ग्राम और सिमरोल में स्वच्छता कैम्पेन चला रहे हैं। केमिकल के खाली बैरल्स को हरे और नीले दो रंगों में रंगकर 132 घरों और स्कूलों में रखवाया है। गांव के लोगों और किसानों के साथ स्टूडेंट्स को सफाई के बारे में जानकारी भी दी जाएगी ताकि वे इसका महत्व समझने के साथ घर के कचरे को अलग-अलग इकट्ठा करें। **'स्वाहा' से बनेगी खाद** स्टूडेंट्स के अनुसार गांवों से निकलने वाले कचरे को खाद में तब्दील किया जाएगा। इसके लिए संस्थान के ही स्टूडेंट्स की बनाई गए मशीन स्वाहा का उपयोग किया जाएगा। ये मशीन कचरे को खाद में बदलने के लिए उपयोगी है। इस खाद को गांव के किसान खेतों में उपयोग कर सकेंगे। उन्हें ये निःशुल्क उपलब्ध करवाई जाएगी। स्वतंत्रता दिवस पर संस्थान के निदेशक प्रदीप माथुर ने इस कैम्पेन की शुरुआत की।
Low cost toilet designed by IITINDORE students for rural users wins award	Award from MHRD 2017	Daink Bhaskar 27.09.2017	

			गांवों में किफायती टॉयलेट बनाने के IIT इंदौर के प्रोजेक्ट को मिनिस्ट्री से अवॉर्ड **सिमरोल मॉडल टॉयलेट केस स्टडी को इम्पीरियल जनरल ने किया पब्लिश** सिटी रिपोर्टर | इंदौर गावों में शौचालयों के निर्माण के लिए आईआईटी इंदौर के लो-कॉस्ट टॉयलेट्स की डिजाइन को मिनिस्ट्री ऑफ ह्यूमन रिसोर्स डेवलपमेंट ने स्वच्छता रैंकिंग के तहत अवॉर्ड दिया गया है। आईआईटी और इंदौर एडमिनिस्ट्रेशन ने गांवों में स्वच्छता कैम्पेन के तहत 3 हजार में 360 टॉयलेट्स तैयार कर उन्हें सिमरोल में इन्स्टॉल किया था। इन टॉयलेट्स पर बेस्ड एक केस स्टडी भी तैयार की गई थी। इस केस स्टडी को इम्पीरियल जनरल ने पब्लिश किया है। संस्थान व इंदौर एडमिनिस्ट्रेशन ने इसके लिए संयुक्त अवॉर्ड जीता है। आईआईटी पीआरओ प्रोफेसर निर्मला मेनन ने बताया सिमरोल मॉडल टॉयलेट्स पर इंस्टिट्यूट के सोशयोलॉजी डिपार्टमेंट के विनोद कुमार और डॉक्टर नीरज मिश्रा ने रिसर्च पेपर व केस स्टडी तैयार की है। इसे इम्पीरियल जरनल ने पब्लिश किया है। इंस्टिट्यूट की उन्नत भारत अभियान टीम इस प्रोजेक्ट को लगातार बढ़ाने के प्रयास कर रही है। **वॉट्सएप ग्रुप्स से लाए जागरूकता** सिमरोल ग्राम पंचायत में बनाए गए इन लो-कॉस्ट टॉयलेट्स के लिए टार के ड्रम्स, गांव मे तैयार की जाने वाली ईटें, सीमेंट, पीवीसी पाइप, कपड़े, बांस, स्टील शीट्स का उपयोग किया गया था। लेबर्स सहित एक टॉयलेट की कीमत 3 हजार रुपए आई थी। ग्रामीणों ने जब बगैर लेबर खुद ही टॉयलेट्स का निर्माण किया तो इसकी लागत ढाई हजार ही आई। जो अब भी खुले में शौच कर रहे थे उन तक यह बात पहुंचाने के लिए सिमरोल ग्राम पंचायत के गांवों में वॉट्सएप ग्रुप्स पर यह संदेश भेजा। Dainik Bhaskar, 27.09.2017, Page No17 (City Bhaskar)
IITINDORE research Student bags Power system conservation Award		Patrika 09.03.2018	

Patrika (plus) Page No 1, 9/03/2018

आईआईटी के डॉ. कार्तिक को पोसोको पॉवर सिस्टम अवॉर्ड

पत्रिका @ इंदौर • आईआईटी इंदौर के पीएचडी ग्रेजुएट डॉ. कार्तिक तिरुमाला की प्रतिष्ठित पावर सिस्टम ऑपरेशन कॉर्पोरेशन (पोसोको) का प्रतिष्ठित पावर सिस्टम अवॉर्ड मिला। उन्हें 1 लाख रुपए की प्राइज मनी मिलेगी। उन्होंने रियल टाइम उपभोक्ताओं को सप्लाय की जा रही पावर की क्वालिटी की निगरानी क्षेत्र में योगदान दिया है।

इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में डॉ. कार्तिक डॉक्टरेट श्रेणी के शीर्ष 15 पुरस्कार विजेताओं में से एक हैं। आईआईटी इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग फैकल्टी डॉ. अमोद उमस्किर और डॉ. तृप्ति जैन के साथ मिलकर कार्तिक ने रिसर्च को अंजाम दिया। उन्होंने बताया, बिजली की गड़बड़ियों के कारण देश को 1 लाख करोड़ का नुकसान उठाना पड़ा है। शोध परेशानी हल करेगा।

IITI Students visit orphanage	Avana-Studetn social outreach visits Orphanage, old age home and shares time and distribute stuffs to bring cheers and try to improve the quality of life.		